परीक्षा से पुनरावलोकन

गद्य खंड

1. **बड़े भाई को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?**

   बड़े भाई होने के नाते वे अपने छोटे भाई के सामने एक आदर्श प्रस्तुत करना चाहते थे।

2. **बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?**

   बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ केवल किताबी ज्ञान से नहीं आती बल्कि अनुभव से आती है।

3. **बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए?**

   बड़े भाई साहब अध्ययनशील हैं, घोर परिश्रमी हैं। वे वाकपदु हैं, उन्हें बडप्पन का अहसास है। वे अनुभवी हैं।

4. **बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?**

   बड़े भाई साहब छोटे भाई को दिन-रात पढ़ने तथा खेल-कूद में समय न गॅवाने की सलाह देते थे। वे बड़ा होने के कारण उसे राह पर चलाना अपना कर्तव्य समझते थे।

5. **बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?**

   बड़े भाई साहब ने जिंदगी के अनुभव को किताबी ज्ञान से अधिक महत्वपूर्ण कहा हैकि जिंदगी का अनुभव जिंदगी में कई संघर्षों से हासिल होता है।

6. **कलकत्ता वासियों के लिए 26 जनवरी 1931 का दिन क्यों महत्वपूर्ण था?**

   देश का स्वतंत्रता दिवस एक वर्ष पहले इसी दिन मनाया गया था। इससे पहले बंगाल वासियों की भूमिका नहीं थी। अब वे प्रत्यक्ष तौर पर जुड़ गए। इसलिए यह महत्वपूर्ण दिन था।

7. **26 जनवरी 1931 के दिन को अमर बनाने के लिए क्या-क्या तैयारियाँ की गईं ?**

   26 जनवरी, 1931 को अमर बनाने के लिए कलकत्ता में कई तैयारियां की गई थीं

   - ❖ शहर में जगह-जगह झंडे लगाए गए थे|
   - ❖ कई जगहों पर जुलूस निकाले गए थे |
   - ❖ मकानों और बाज़ारों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था|
   - ❖ टोलियाँ बनाकर भीड़ उस स्थान पर जुटने लगी जहाँ सुभाष बाबू का जुलूस पहुँचना था।

8. **पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में क्या अंतर था?**

पुलिस कमिश्नर के नोटिस और कौंसिल के नोटिस में अंतर यह था कि पुलिस कमिश्नर के नोटिस में सभाओं को रोकने का आदेश था, वहीं कौंसिल के नोटिस में सभाओं को आमंत्रित किया गया था|

9. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया था | उन्होंने जुलूस निकाले, मोनुमेंट पर झंडा फहराया और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी | भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद भी स्त्रियों ने अपनी हिम्मत नहीं हारी और आगे बढ़ती रहीं |

10. तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से निकोबार में क्या परिवर्तन आया?

तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु की घटना के बाद निकोबारी दूसरे गांवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध रखने लगे।

11. निकोबार के लोग तताँरा को क्यों पसंद करते थे?

निकोबार के लोग तताँरा को उसके आत्मीय स्वभाव के कारण पसन्द करते थे। वह नेक ईमानदार और साहसी था। वह मुसीबत के समय भाग भागकर सबकी मदद करता था।

12, रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगें तब उनका टूट जाना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट कीजिए।

रूढ़ियाँ और बंधन समाज को अनुशासित करने के लिए बनते हैं परन्तु जब इन्हीं के द्वारा मनुष्य की भावना आहत होने लगे, बंधन बनने लगे और बोझ लगने लगे तो उसका टूट जाना ही अच्छा होता है।

13. निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?

निकोबारियों का विश्वास था कि पहले अडंमान निकोबार दोनों एक ही द्वीप थे। इनके दो होने के पीछे तताँरा-वामीरो की लोक कथा प्रचलित है। ये दोनों प्रेम करते थे। दोनों एक गाँव के नहीं थे। रीति के अनुसार दोनों का विवाह नहीं हो सकता था । रूढ़ियों में जकड़ा होने के कारण वह कुछ कर भी नहीं सकता था। उसे अत्यधिक क्रोध आया और उसने क्रोध में अपनी तलवार धरती में गाड़ दी और उसे खींचते खींचते वह दूर भागता चला गया। इससे ज़मीन दो भागों में बँट गई - एक निकोबार और दूसरा अंडमान।

14. तताँरा और वामीरो के गाँव की क्या रीति थी?

तताँरा और वामीरो के गाँव की रीति थी कि विवाह संबंध बाहर के किसी गाँव वाले से नहीं हो सकता था।

15. 'तीसरी कसम' फ़िल्म को कौन-कौन से पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है?

'तीसरी कसम' नामक फिल्म को निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

(i) राष्ट्रपति स्वर्णपदक (ii) बंगाल जर्नलिस्ट एसोसिएशन का सर्वश्रेष्ठ फिल्म पुरस्कार (iii) मास्को फिल्म फेस्टिवल पुरस्कार।

16. तीसरी कसम' फ़िल्म को सेल्यूलाइट पर लिखी कविता क्यों कहा गया है?

'तीसरी कसम' फ़िल्म को 'सेल्यूलाइड पर लिखी कविता' इसलिए कहा गया है क्योंकि यह फ़िल्म भावुकता, संवेदना, और मार्मिकता से भरी हुई है|

17. लेखक के इस कथन से कि 'तीसरी कसम' फ़िल्म कोई सच्चा कवि-हृदय ही बना सकता था, आप कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए।

मैं लेखक के विचार से पूरी तरह सहमत हूँ क्योंकि इस फ़िल्म को देखकर कविता जैसी अनुभूति होती ही है। यह फ़िल्म कवि शैलेन्द्र की कोमल भावनाओं की प्रस्तुति थी जिसे फ़िल्म के जरिए उतारा गया था।

18. लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि तीसरी कसम ने साहित्य-रचना के साथ शत-प्रतिशत न्याय किया है?

यह वास्तविकता है कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य-रचना के साथ शत-प्रतिशत न्याय किया है। यह फणीश्वरनाथ रेणु की रचना 'मारे गए गुलफाम' पर बनी है। इस फिल्म में मूल कहानी के स्वरूप को बदला नहीं गया।

19. शैलेन्द्र के गीतों की क्या विशेषताएँ हैं। अपने शब्दों में लिखिए।

शैलेन्द्र के गीत भावपूर्ण थे। उन्होंने धन कमाने की लालसा में गीत कभी नहीं लिखे। उनके गीतों की विशेषता थी कि उनमें घटियापन या सस्तापन नहीं था। उनके द्वारा रचित गीत उनके दिल की गहराइयों से निकले हुए थे।

20. अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए।

'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ का प्रतिपाद्य है कि दूसरों के दुख में शामिल होना और उनकी मदद करना| इस पाठ के ज़रिए यह भी बताया गया है कि हमें प्रकृति के प्रति सम्मान रखना चाहिए और सभी प्राणियों के प्रति करुणा रखनी चाहिए|

21. शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़ कर क्यों उठ खड़े हुए?

शेख अयाज़ के पिता अपने बाजू पर काला च्योंटा रेंगता देख भोजन छोड़कर उठ खड़े हुए थे क्योंकि उन्हें लगा कि उन्होंने उस च्योंटे को घर से बेघर कर दिया है इसलिए बिना समय गंवाए वे उस च्योंटे को उसके घर यानी कुएं पर छोड़ने के लिए उठ खड़े हुए |

22. बढ़ती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा?

बढ़ती आबादी के कारण पर्यावरण पर बहुत बुरा असर पड़ा है | इससे पर्यावरण की गुणवत्ता में गिरावट आई है और प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है |

23. **'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ में समुद्र के गुस्से का क्या कारण था ? उसने अपना गुस्सा कैसे शांत किया ?**

'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ में समुद्र के गुस्से का कारण था कि बिल्डर उसकी ज़मीन हथिया रहे थे| समुद्र ने अपना गुस्सा निकालने के लिए तीन जहाज़ों को उठाकर तीन दिशाओं में फेंक दिया था|

24. **'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के अनुसार वनस्पति और जीव-जगत के बारे में लेखक की माँ के क्या विचार थे?**

'अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के मुताबिक, लेखक की मां के वनस्पति और जीव-जगत के प्रति विचार थे:

- सूरज ढलने के बाद पेड़ से फूल-पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए|
- दीया-बत्ती के वक्त फूलों को तोड़ने पर वे बददुआ देते हैं|
- दरिया पर जाकर उसे सलाम करना चाहिए|
- कबूतरों को नहीं सताना चाहिए, क्योंकि ये हज़रत मुहम्मद के अज़ीज़ हैं|
- मुर्गे को परेशान नहीं करना चाहिए, क्योंकि वह मुल्लाजी से पहले मोहल्ले को जगाता है|

25. शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग क्यों होता है?

शुद्ध सोने में कोई मिलावट नहीं होती, लेकिन गिन्नी के सोने में ताँबा मिला होता है। शुद्ध सोने की तुलना में गिन्नी का सोना अधिक मजबूत और उपयोगी होता है।

26. शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना ताँबे से क्यों की गई है?

शुद्ध आदर्श की तुलना सोने से और व्यावहारिकता की तुलना तांबे से इसलिए की गई है क्योंकि शुद्ध आदर्श में मिलावट नहीं होती, वहीं व्यावहारिकता में शुद्ध आदर्श से समझौता किया जाता है|

27. प्रैक्टिकल आइडियालिस्ट किसे कहते हैं?

जो लोग शुद्ध आदर्श में थोड़ी व्यावहारिकता मिलाकर काम चलाते हैं, उन्हें प्रैक्टिकल आइडियलिस्ट कहते हैं।

28. लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए।

लेखक के अनुसार सत्य वर्तमान है। उसी में जीना चाहिए। हम अक्सर या तो गुजरे हुए दिनों की बातों में उलझे रहते हैं या भविष्य के सपने देखते हैं। इस तरह भूत या भविष्य काल में जीते हैं। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। वर्तमान ही सत्य है उसी में जीना चाहिए।

29. लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या-क्या कारण बताए? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं?

लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के कारण बताए हैं कि मनुष्य चलता नहीं दौड़ता है, बोलता नहीं बकता है, एक महीने का काम एक दिन में करना चाहता है। दिमाग हजार गुना अधिक गति से दौड़ता है। अत्यधिक तनाव बढ़ जाता है।

30. जापानी में चाय पीने की विधि को क्या कहते हैं?

जापानी में चाय पीने की विधि को चा-नो-यू कहते हैं।

31. वज़ीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

वज़ीर अली के बहादुरी के किस्से सुनकर ही कर्नल को रॉबिनहुड की याद आती थी क्योंकि वह रॉबिनहुड की तरह साहसी,दिलेर हार ना मानने वाला और बहादुर था।

32. सआदत अली कौन था? उसने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझा?

सआदत अली, अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का छोटा भाई था. वह वज़ीर अली का चाचा था| सआदत अली ने वज़ीर अली की पैदाइश को अपनी मौत समझा क्योंकि वह अवध का नवाब बनने की उम्मीद लगाए था |

33. वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?

वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल इसलिए किया क्योंकि वकील ने उसकी शिकायत सुनने की बजाय उसे खरी-खोटी सुनाई थी |

34. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

अंग्रेज़ों के खेमे में अकेले ही पहुँच गया, कारतूस भी ले आया और अपना सही नाम भी बता गया। इस तरह वह एक जाँबाज़ सिपाही था।

35. सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

सवार कर्नल के शिविर में जा पहुँचा उससे बातचीत कर जानकारी प्राप्त करने के बाद उसने वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए कुछ कारतूस कर्नल से माँगे, कर्नल ने उसे दस कारतूस दे दिए। इस प्रकार सवार ने कर्नल से कारतूस हासिल किए।

<u>काव्य खंड</u>

1. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

मीठी वाणी बोलने से औरों के मन से क्रोध और घृणा के भाव नष्ट हो जाते हैं जिससे उन्हें सुख प्राप्त होता है। इसके साथ ही हमारे मन के अहंकार भी नाश होता है और हमारे हृदय को शान्ति मिलती है जिससे तन को शीतलता प्राप्त होती है।

2. अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने क्या उपाय सुझाया है?

अपने स्वभाव को निर्मल रखने के लिए कबीर ने यह उपाय सुझाया था कि हमें अपने आस-पास निंदक रखना चाहिए |

3. ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, पर हम उसे क्यों नहीं देख पाते?

ईश्वर कण-कण में व्याप्त है, लेकिन हम उसे नहीं देख पाते क्योंकि हमारा मन अज्ञानता, अहंकार, और विलासिताओं में डूबा रहता है |

4. संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन? यहाँ 'सोना' और 'जागना' किसके प्रतीक हैं?

कवि के अनुसार जो लोग संसार की सुख-सुविधाओं में लीन रहते हैं, वे सुखी होते हैं | वहीं, जो लोग ईश्वर से जुड़े ज्ञान को पा लेते हैं, वे दुखी होते हैं | यहाँ पर 'सोना' शब्द अज्ञानता का प्रतीक है और 'जागना' ज्ञान का प्रतीक है |

5. 'ऐकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होई' –इस पंक्ति द्वारा कवि क्या कहना चाहता है?

इस पंक्ति द्वारा कवि कहना चाहता है कि ईश्वर को पाने के लिए एक अक्षर प्रेम का अर्थात ईश्वर को पढ़ लेना ही पर्याप्त है।

6. मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है?

हे प्रभु ! जिस प्रकार आपने द्रौपदी का वस्त्र बढ़ाकर भरी सभा में उनकी लाज रखी, नरसिंह का रूप धारण करके हिरण्यकश्यप को मारकर प्रहलाद को बचाया, मगरमच्छ ने जब हाथी को अपने मुँह में ले लिया तो उसे बचाया | इसी तरह मुझे भी हर संकट से बचाकर पीड़ा से मुक्त कीजिए ।

7. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं?

मीराबाई श्याम की चाकरी इसलिए करना चाहती है क्योंकि मीराबाई श्री कृष्ण की सेविका बनकर उनके आसपास रहना चाहती है और उनके बार-बार दर्शन करना चाहती हैं।

8. मीराबाई ने श्रीकृष्ण के रुप-सौंदर्य का वर्णन कैसे किया है?

मीरा ने कृष्ण के रुप-सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहा है कि उनके सिर पर मोर के पंखों का मुकुट है, वे पीले वस्त्र पहने हैं और गले में वैजंती फूलों की माला पहनी है, वे बाँसुरी बजाते हुए गायें चराते हैं और बहुत सुंदर लगते हैं।

9. वे श्रीकृष्ण को पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तैयार हैं?

मीरा कृष्ण को पाने के लिए विभिन्न कार्य करने को तैयार हैं-

- वह दासी बनकर उनकी सेवा करना चाहती हैं|
- वह उनके घूमने के लिए बाग बगीचे लगाना चाहती हैं।
- वृंदावन की गलियों में श्रीकृष्ण की लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं|
- वह कुसुम्बी रंग की साड़ी पहनकर आधी रात को कृष्ण का दर्शन करना चाहती हैं।

10. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

कवि ने उस मृत्यु को सुमृत्यु कहा है जो अपने स्वयं के हित से ऊपर उठकर दूसरों के कल्याण के लिए अपने प्राणों की आहुति देता है।

11. कवि ने दधीचि कर्ण, आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर मनुष्यता के लिए क्या संदेश दिया है?

कवि दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर त्याग और बलिदान का संदेश देता है |

12. मनुष्य मात्र बंधु है' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

'मनुष्य मात्र बंधु' का अर्थ है कि सभी मनुष्य आपस में भाई बंधु हैं क्योंकि सभी का पिता एक ईश्वर है।

13. 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

कवि इस कविता द्वारा मानवता, प्रेम, एकता, दया, करुणा, परोपकार, सहानुभूति, सदभावना और उदारता का संदेश देना चाहता है।

14. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन-कौन से परिवर्तन आते हैं?

पावस ऋतु में प्रकृति में निम्नलिखित परिवर्तन आते हैं-

- इस ऋतु में मौसम बदलता रहता है|
- विभिन्न प्रकार के रंग-बिरंगे फूल खिल जाते हैं|
- पर्वत के नीचे फैले तालाबों में पर्वतों की परछाई दिखाई देती है|
- मोती की लड़ियों की तरह बहते झरने ऐसा लगता है मानो पर्वतों का गुणगान कर रहे हों|
- पर्वत पर उगे ऊँचे वृक्ष आसमान को चिंतित होकर निहार रहे हैं|
- तेज वर्षा के कारण चारों तरफ धुंध छा जाता है|

15. 'मेखलाकार' शब्द का क्या अर्थ है? कवि ने इस शब्द का प्रयोग यहाँ क्यों किया है?

'मेखलाकार' शब्द का अर्थ है- करधनी के आकार का या गोल | कवि ने इस शब्द का प्रयोग पर्वतों की श्रृंखला के लिए किया है |

16. 'सहस्र दृग-सुमन' से क्या तात्पर्य है? कवि ने इस पद का प्रयोग किसके लिए किया होगा?

सहस्र दृग-सुमन कवि का तात्पर्य पहाड़ों पर खिले हजारों फूलों से है। कवि को फूल पहाड़ों की आँखों के समान लग रहे हैं|

17. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

कंपनी बाग में रखी तोप यह सीख देती है कि कोई कितना भी शक्तिशाली, अत्याचारी क्यों न हो एक दिन उसे शांत होना पड़ता है, क्योंकि समय परिवर्तनशील है।

18. विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल इसलिए होती है क्योंकि ये वस्तुएँ हमें अपने पूर्वजों की, अपने इतिहास की याद दिलाती हैं। इनसे हमारा भावनात्मक संबंध होता है।

19. "कर चले हम फ़िदा" क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

यह गीत सन् 1962 के भारत-चीन युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर लिखा गया है। चीन ने तिब्बत की ओर से आक्रमण किया और भारतीय वीरों ने इस आक्रमण का मुकाबला वीरता से किया।

20. "कर चले हम फ़िदा" इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए?

इस कविता में देशभक्ति की भावना को प्रतिपादित किया गया हैं। इस कविता में देश के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना को प्रमुखता से दर्शाया गया है। कवि ने यह संदेश दिया है कि हमें अपने देश के लिए किसी भी प्रकार का बलिदान देने के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए।

21. "कर चले हम फ़िदा" इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

'सर पर कफ़न बाँधना' का अर्थ होता है मौत के लिए तैयार हो जाना। देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए तैयार रहना |

22. 'विपदाओं से मुझे बचाओं, यह मेरी प्रार्थना नहीं' – कवि इस पंक्ति के द्वारा क्या कहना चाहता है?

कवि विपदाओं से बचने की प्रार्थना नहीं करता बल्कि वह विपदाओं का सामना करने की शक्ति की प्रार्थना करता है।

23. 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

'आत्मत्राण' कविता का शीर्षक इस कविता के मूल भाव को पूरी तरह से व्यक्त करता है. इस कविता में कवि अपने भय से मुक्ति पाने की कोशिश करता है और अपने अंदर साहस, निर्भयता, और संघर्षशीलता की कामना करता है. इसलिए, यह शीर्षक इस कविता के लिए पूरी तरह से सार्थक है.

24. क्या कवि की यह प्रार्थना आपको अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है? यदि हाँ, तो कैसे?

हां, कवि की प्रार्थना अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है क्योंकि इसमें कष्टों से छुटकारा पाने की बजाय कष्टों को सहने की शक्ति के लिए प्रार्थना की गई है |

****